भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2856 का उत्तर

रेल माल ढुलाई और संभारतंत्र प्रणाली के लिए कौशल विकास

2856. श्री जी. एम. हरीश बालयोगी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने रेल माल ढुलाई और संभारतंत्र प्रणाली के विस्तार में सहायता के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने की कोई रणनीति बनाई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों में माल ढुलाई संचालन, बहुविध संभारतंत्र, कंटेनर संभलाई, भांडागारण और डिजिटल संभारतंत्र प्रणाली में वर्ष-वार और जोन-वार कितने कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है;

(ग) निजी संभारतंत्र संचालकों, टर्मिनल संचालकों और कंटेनर रेलगाड़ी संचालकों के लिए विशेष प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है और उद्योग साझेदारों, शामिल संस्थान और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या रेल माल ढुलाई और संभारतंत्र क्षेत्र में श्रमबल की आवश्यकता का औपचारिक आकलन किया गया है और यदि हाँ, तो कौशल संबंधी किन कमियों को चिह्नित किया गया है और उन्हें दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जाने हैं;

(ङ) क्या रेल माल ढुलाई और संभारतंत्र के लिए राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप एक विशिष्ट कौशल योग्यता रूपरेखा तैयार की गई है और यदि हाँ, तो इसमें शामिल पेशेवर भूमिकाओं का ब्यौरा क्या है और प्रमाणित लोगों की संख्या कितनी है; और

(च) सरकार द्वारा रेल माल ढुलाई के विस्तार से भविष्य में कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च):

प्रशिक्षण

भारतीय रेल ने संरचित क्षमता निर्माण और उन्नत प्रशिक्षण के माध्यम से रेल कर्मचारियों की कार्य उत्पादकता, प्रेरणा और पेशेवर दक्षताओं को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन, एक सुस्थापित प्रशिक्षण रूपरेखा द्वारा समर्थित निरंतर और संस्थागत प्रक्रियाएं हैं।

भारतीय रेल ने रेल कर्मचारियों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है, जिसमें कर्मचारियों को करियर के विभिन्न चरणों में उनका कौशल निर्माण सुनिश्चित करने, पुनः कौशल निर्माण और कौशल संवर्धन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं। इस उद्देश्य के लिए, केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों (सीटीआई), बहु-विषयक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (एमडीजेडटीआई), बहु-विषयक मंडल प्रशिक्षण संस्थान (एमडीडीटीआई) और विशेष प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में व्यापक प्रशिक्षण अवसंरचना का सृजन किया है जिसमें कर्मचारियों के सेवा काल के विभिन्न चरणों में प्रवेशन, पुनश्चर्या, पदोन्नति और तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इनमें वे कर्मचारी भी सम्मिलित हैं जो माल यातायात संबंधी कार्यों से जुड़े हुए हैं।

भारतीय रेल का लक्ष्य सदैव एक आधुनिक, कुशल और एकीकृत रेल माल यातायात और संभार पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करना रहा है, जो संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, यातायात के विभिन्न साधनों के माध्यम से संभार सेवाएं प्रदान करके और उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कार्यबल की दक्षताओं को बढ़ाता है, जिससे कुशल, सुरक्षित और संधारणीय परिवहन सेवाएं सुनिश्चित होती हैं।

कर्मचारियों की क्षमताएं सुदृढ़ करने और रेल कर्मियों को आधुनिक, प्रौद्योगिकी-प्रधान रेल परिचालन, माल यातायात परिचालन का डिजिटलीकरण, यातायात के विभिन्न साधनों के माध्यम से संभार सेवाएं प्रदान करने की अवधारणाएं, ग्राहक-केंद्रित माल यातायात सेवाएं और अन्य परिचालनिक आवश्यकताओं के लिए अपेक्षित कौशल से युक्त करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए जाते हैं। रेल परिचालन और अनुरक्षण में नई प्रौद्योगिकियों का समावेश करने के लिए इन मॉड्यूलों को समय-समय पर अद्यतनीकृत भी किया जाता है।

इसके अलावा, भारतीय रेल कर्मचारियों को सेवा काल के विभिन्न चरणों में प्रारंभिक, पदोन्नति, पुनश्चर्या, विशेष और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। रेल कर्मचारियों की संबंधित कोटियों के पाठ्यक्रम में माल यातायात परिचालन, संभार तंत्र और उनके कार्यों से संबंधित अन्य परिचालनिक और संरक्षा संबंधी पहलू शामिल हैं।

इन कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष लगभग छह लाख रेल कर्मचारी प्रशिक्षित किए जाते हैं जिससे सतत क्षमता निर्माण और व्यावसायिक दक्षताओं का संवर्द्धन होता है।

भारतीय रेल लॉजिस्टिक ऑपरेटरों, टर्मिनल ऑपरेटरों और कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों के लिए अपने प्रमुख केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों (सीटीआईएस) और गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) के माध्यम से रेल परिचालन, वाणिज्यिक प्रबंधन और रेल परिचालन के साथ परिचितता विषयों पर समर्पित प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित करती है जिनका उद्देश्य रेल आधारित माल परिवहन व संभार तंत्र को अधिक कुशल बनाना है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कई सार्वजनिक उपक्रम और सहयोगी संगठन जैसे कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी), स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) तथा सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (सीडब्ल्यूसी) भी शामिल हैं।

इसके अलावा, गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) द्वारा कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) के अधिकारियों के लिए एक विशेष प्रबंधन विकास कार्यक्रम, पत्तनों के माध्यम से विकास विषय पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला और रक्षा बलों, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और गुजरात इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (जीआईडीबी) जैसे संगठनों के कार्यपालकों के लिए संभार तंत्र पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कार्यपालकों के लिए संरचित क्षमता-निर्माण पहलकदमियों के माध्यम से संभार तंत्र, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और आधुनिक परिवहन प्रणालियों में नेतृत्व क्षमताओं, प्रबंधकीय कौशल और कार्य-क्षेत्र संबंधी विशेषज्ञता को बढ़ाना है।

भारतीय रेल समय-समय पर भावी परिचालनिक आवश्यकताओं, प्रौद्योगिकीय प्रगति और संगठन की प्राथमिकताओं के अनुरूप अपनी आवश्यकताओं की समीक्षा करती है। फील्ड इकाइयों, प्रशिक्षण संस्थानों और तकनीकी निदेशालयों के साथ निरंतर विचार-विमर्श करके भविष्य की क्षमता संबंधी आवश्यकताओं की पहचान की जाती है। इस प्रकार के आकलन के आधार पर, रेल कर्मियों को कुशल माल यातायात और संभार परिचालन के लिए अपेक्षित कौशल से युक्त करने के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और क्षमता विकास कार्यक्रमों को संशोधित और सशक्त बनाया जाता है।

भारतीय रेल में प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न कोटियों के रेल कर्मचारियों की कार्यात्मक और क्षमता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए जाते हैं और विकसित हो रही प्रौद्योगिकियों, परिचालनिक आवश्यकताओं और समकालीन कौशल आवश्यकताओं के अनुरूप समय-समय पर उनकी समीक्षा की जाती है और अद्यतन किया जाता है। इसके अलावा, भारतीय रेल में एकरूपता, योग्यता-आधारित अधिगम और बेहतर प्रशिक्षण परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सर्वत्र प्रशिक्षण मॉड्यूल के मानकीकरण की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करने और उसे राष्ट्रीय कौशल विकास

हेतु किए जा रहे प्रयासों के साथ जोड़ने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सहयोग से सक्रिय रूप से विभिन्न कौशल विकास पहलकदमियों पर कार्य कर रही है।

भारतीय रेल माल यातायात के विस्तार सहित भविष्य की कौशल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र को निरंतर सुदृढ़ कर रही है। इन उपायों में प्रशिक्षण मॉड्यूल का आवधिक पुनरीक्षण और मानकीकरण, डिजिटल अधिगम मंचों का एकीकरण, क्षमता आधारित प्रशिक्षण, भावी प्रौद्योगिकियों को अपनाना, प्रशिक्षण अवसंरचना का आधुनिकीकरण, संकाय क्षमताओं में वृद्धि और केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों (सीटीआई), बहु-विषयक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों (एमडीजेडटीआई), बहु-विषयक विभागीय प्रशिक्षण संस्थानों (एमडीडीटीआई) के माध्यम से निरंतर क्षमता निर्माण शामिल हैं। इन पहलकदमियों का उद्देश्य रेल कर्मियों को कुशल, प्रौद्योगिकी-संचालित और ग्राहक-उन्मुख माल यातायात और संभार परिचालन में सहयोग करने के लिए अपेक्षित ज्ञान और कौशल से युक्त करना है।

जनशक्ति

भारतीय रेल में 2004-05 से 2013-14 की तुलना में 2014-15 से 2025-26 के दौरान की गई भर्ती निम्नानुसार है:-

अवधि	भर्ती
2004-2005 से 2013-2014	4.11 लाख
2014-2015 से 2026-2027 (30.06.2026 तक)	5.56 लाख

भारतीय रेल के आकार, स्थानिक वितरण और परिचालन महत्व को ध्यान में रखते हुए पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत् प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों, यंत्रीकरण और नवोन्मेषी पद्धतियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति मुहैया कराई जाती है। इन रिक्तियों को मुख्यतः परिचालनिक और प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार, रेलवे द्वारा भर्ती एजेन्सियों को मांग-पत्र भेजकर भरा जाता है।

रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षाएं अत्यंत तकनीकी प्रकृति की होती हैं जिनमें बड़े पैमाने पर कर्मियों और संसाधनों को जुटाने तथा जनशक्ति के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। रेलवे ने इन सभी चुनौतियों का सामना किया और सभी निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती का सफलतापूर्वक आयोजन किया। पूरी प्रक्रिया के दौरान पेपर लीक या ऐसे कदाचार की कोई घटना नहीं हुई है।

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए वर्ष 2024 से वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर शुरू होने से अभ्यर्थी निम्नानुसार लाभान्वित हो रहे हैं:

- **अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;**
- **प्रतिवर्ष योग्यता प्राप्त करने वालों को अवसर;**
- **परीक्षाओं की निश्चितता;**
- **भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।**

वर्तमान में, भारतीय रेल में 2024, 2025 और 2026 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, अराजपत्रित कार्मिकों की 1,61,889 रिक्तियों की भर्ती शुरू की गई।

जनवरी से दिसम्बर, 2024 के दौरान सहायक लोको पायलटों (एएलपी), तकनीशियनों, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में उप-निरीक्षक और कांस्टेबल, जूनियर इंजीनियर (जेई)/डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस)/रसायन एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए), पैरामेडिकल कोटियों, गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक), गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक-पूर्व), अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों और लेवल-1 कोटियों जैसे सहायक, रेलपथ अनुरक्षक और पॉइंट्समैन के पदों को भरने के लिए 92,116 रिक्तियों के लिए दस केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) जारी की गई हैं।

92,116 पदों के लिए प्रथम/एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं (सीबीटी) पूरी की जा चुकी हैं। ब्यौरा निम्नानुसार है-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	18,40,347	156	15
तकनीशियन के पद (14,298 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	26,99,892	139	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	11,01,266	146	15
रे.सु.ब.-एस.आई के पद (452 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	15,35,635	143	15
रे.सु.ब-कांस्टेबल के पद (4,208 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	45,30,288	147	15
पैरामेडिकल कोटियों (1,376 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	7,08,321	143	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक) (8,113 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	58,41,774	141	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक-पूर्व) (3445 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	63,27,473	157	15

अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों (1,036 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	4,46,013	139	15
लेवल-1 के पदों (32,438 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	1,08,28,261	152	15
कुल अभ्यर्थी	3,58,59,270		

सहायक लोको पायलट, जेई/डीएमएस/सीएमए और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक एवं स्नातक-पूर्व) के पदों के लिए द्वितीय चरण की सीबीटी भी पूरी की गई है। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	2,66,363	112	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,17,339	118	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) (8113 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,21,931	129	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक-पूर्व) (3,445 रिक्तियों) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	51,978	79	15
कुल अभ्यर्थी	5,57,611		

सहायक लोको पायलट (एएलपी) और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक) के पदों के लिए कंप्यूटर आधारित अभिक्षमता परीक्षा (सीबीएटी) तथा गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक और स्नातक-पूर्व), अनुसचिवीय और पृथक कोटियों के लिए कंप्यूटर आधारित कुशलता परीक्षा भी पूरी कर ली गई है। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद हेतु सीबीएटी	1,32,044	84	2
अनुसचिवीय और पृथक कोटियों के लिए अनुवाद परीक्षा	1,233	8	2
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के पदों के लिए सीबीएटी	13,616	38	2
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के पदों के लिए कंप्यूटर आधारित टंकण कुशलता परीक्षा (सीबीटीएसटी)	30,341	58	2
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक-पूर्व) के पदों के लिए कंप्यूटर आधारित टंकण कुशलता परीक्षा (सीबीटीएसटी)	13,145	44	2
कुल अभ्यर्थी	1,90,379		

2026-2027 के दौरान (30.06.2026 तक) 3,300 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए पैनल, जिसमें तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, पैरा मेडिकल कोटियों, अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों और सहायक लोको पायलट के पद शामिल हैं, को अंतिम रूप दिया गया है। इनमें से अधिकांश संरक्षा कोटियां हैं।

इसके अलावा, वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, 51,970 रिक्तियों के लिए निम्नलिखित नौ केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएँ भी जारी की गई हैं। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या	पद का नाम	अधिसूचित रिक्तियों की संख्या	अधिसूचना जारी करने का माह
01/2025	सहायक लोको पायलट	10,970	मार्च, 2025
02/2025	तकनीशियन	6,238	जून, 2025
03/2025	पैरा मेडिकल कोटियाँ	434	जुलाई, 2025
04/2025	सेक्शन कंट्रोलर	368	अगस्त, 2025
05/2025	जूनियर इंजीनियर (जेई)/डिपो सामग्री अधीक्षक/रसायन एवं धातुकर्म सहायक	2,585	अक्टूबर, 2025
06/2025	गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक)	5,810	अक्टूबर, 2025
07/2025	गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक-पूर्व)	3,058	अक्टूबर, 2025
08/2025	पृथक कोटियां	312	दिसंबर, 2025
09/2025	लेवल-1 पद	22,195	दिसंबर 2025
कुल		51,970	

29,775 पदों के लिए प्रथम/एकल चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) पूरी हो चुकी है। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सेक्शन कंट्रोलर कोटियों के पद (368 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	4,33,748	131	15
सहायक लोको पायलट के पद (10,970 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	10,03,719	141	15
जे.ई./डीएमएस/सीएमए के पद (2,585 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	5,74,351	133	15
तकनीशियन के पद (6238 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	8,41,525	117	15

पैरामेडिकल कोटियों (434 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	3,19,396	106	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) (5,810 रिक्तियाँ) के लिए प्रथम चरण सीबीटी	25,89,851	142	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक-पूर्व) (3,058 रिक्तियाँ) के लिए प्रथम चरण सीबीटी	32,95,980	142	15
पृथक कोटियों (312 रिक्तियां) के लिए सीबीटी	37,774	34	15
कुल अभ्यर्थी	90,96,344		

जेई/डीएमएस/सीएमए के पदों के लिए द्वितीय चरण की सीबीटी भी पूरी कर ली गई है। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
जेई/डीएमएस/सीएमए के पदों (2,585 रिक्तियाँ) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	39,034	90	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) (5,810 रिक्तियाँ) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	87,317	98	15
कुल अभ्यर्थी	1,26,351		

सेक्शन कंट्रोलर के पदों के लिए कंप्यूटर आधारित अभिक्षमता परीक्षा (सीबीएटी) भी पूरी हो चुकी है। ब्यौरा निम्नानुसार है:

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएँ
सेक्शन कंट्रोलर के पदों (368 रिक्तियाँ) के लिए सीबीएटी	2,989	24	2

इसके अलावा, वर्ष 2026 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, 17,803 रिक्तियों के लिए तीन केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) जारी की गई हैं। ब्यौरा निम्नानुसार है:

केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या	पद का नाम	अधिसूचित रिक्तियों की संख्या	अधिसूचना जारी करने का माह
01/2026	सहायक लोको पायलट	11,127	मार्च, 2026
02/2026	तकनीशियन	6,557	मई, 2026
03/2026	सेक्शन कंट्रोलर	119	जून, 2026

****